ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 02-12-2025

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-12-02 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-12-03	2025-12-04	2025-12-05	2025-12-06	2025-12-07
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	24.0	24.0	24.0	23.0	23.0
न्यूनतम तापमान(से.)	5.0	5.0	5.0	4.0	4.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	72	73	74	74	76
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	40	47	42	43
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	4	6	5
पवन दिशा (डिग्री)	340	300	310	300	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	2	0
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले सात दिनों (5 से 11 दिसंबर) में 0.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 24.4 से 26.6 डिग्री सेल्सियस और 6.8 से 10.8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले सप्ताह के दौरान मौसम साफ रहा। सुबह सापेक्ष आर्द्रता 0712 बजे 91 से 97% के बीच और शाम को सापेक्ष आर्द्रता 1412 बजे 33 से 50% के बीच रही। हवा की गति 1.0 से 1.9 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा ज्यादातर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम, पश्चिम, पूर्व-उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पूर्व थी। आगामी 5 दिनों के पूर्वानुमान में वर्षा नहीं पूर्वनामित है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान 23.0-24.0 डिग्री सेल्सियस और 4.0-5.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। 4-6 किमी प्रति घंटे की गति से हवाएं ज्यादातर उत्तर-उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम-उत्तर, उत्तर-पश्चिम और उत्तर-पश्चिम-पश्चिम दिशा से चलेंगी। आने वाले हफ़्ते में मौसम सूखा रहने की उम्मीद है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

मौसम की कोई खास चेतावनी जारी नहीं की गई है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

खेती पर मौसम का खासा असर नहीं और उसे जुड़ी कोई सलाह नहीं।

सामान्य सलाहकार:

किसान और दूसरे कृषि सम्बंधित लोग मौसम की नियमित जानकारी और बारिश के अलर्ट के लिए “मौसम” ऐप डाउनलोड कर सकते हैं। मौसम और बिजली के डेटा के नियमित अपडेट के लिए "मेघदूत" और "दामिनी" जैसे दूसरे ऐप भी उपलब्ध हैं। सभी ऐप गूगल प्ले स्टोर (एंड्राइड यूज़र) और ऐप सेंटर (आईओएस यूज़र) से आसानी से डाउनलोड किए जा सकते हैं। विस्तारित अवधी पूर्वानुमान 28.11.2025 से 04.12.2025 के दौरान बारिश के लिए सूखा, अधिकतम तापमान के लिए सामान्य तथा न्यूनतम के लिए सामान्य से काम प्रवृति दिखाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, मौसम की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है, इसलिए खेती का नियमित काम जारी रखना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गन्ना	पेड़ी गन्ने की कटाई कर लेनी चाहिए ताकि गेहूं की बुआई की जा सके और पतझड़ के गन्ने की ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई करनी चाहिए। खेती के दूसरे काम जैसे निराई और गुड़ाई पर नियमित निगरानी रखनी चाहिए।
अरहर (लाल चना/ अरहर)	खड़ी फसलों में, ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई करनी चाहिए, जबकि देर से पकने वाली किस्मों में, फली छेदक होने पर नियंत्रण के तरीके अपनाने चाहिए।
चना	देर से बुआई करने पर, बुआई का काम महीने के पहले पखवाड़े तक पूरा कर लेना चाहिए। देर से बुआई में लाइन से लाइन की दूरी 15-20 सेमि रखनी चाहिए, जबकि बुआई के समय, 10 किलोग्राम बीज पर 200 ग्राम राइज़ोबियम और पीएसबी से बीज का उपचार करना चाहिए। आखिरी महीने में बोई गई फसल में खेती का काम उसी हिसाब से जारी रखा जा सकता है।
मसूर की दाल	देर से बुआई करने पर, बुआई का काम महीने के पहले पखवाड़े तक पूरा कर लेना चाहिए। देर से बुआई में लाइन से लाइन की दूरी 15-20 सेमि रखनी चाहिए, जबकि बुआई के समय, 10 किलोग्राम बीज पर 200 ग्राम राइज़ोबियम और पीएसबी से बीज का उपचार करना चाहिए। आखिरी महीने में बोई गई फसल में खेती का काम उसी हिसाब से जारी रखा जा सकता है।
रेपसीड	देर से बोई गई फसलों पर नज़र रखनी चाहिए और फूल आने से पहले हल्की सिंचाई करनी चाहिए। सिंचाई के बाद नाइट्रोजन की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए।
सरसों	देर से बोई गई फसलों पर नज़र रखनी चाहिए और फूल आने से पहले हल्की सिंचाई करनी चाहिए। सिंचाई के बाद नाइट्रोजन की टॉप ड्रेसिंग करनी चाहिए।
गेहूँ	फसल की देर से बुआई 25 दिसंबर तक कर लेनी चाहिए और सही तरीके से उपचारित किए हुए बीज और बुआई के तरीके अपनाने चाहिए। पहले से बोई गई फसल में ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई करनी चाहिए। बची हुई नाइट्रोजन का आधा हिस्सा पहली सिंचाई के बाद डालना चाहिए।
जौ	फसल की देर से की गयी बुवाई महीने के पहले दो हफ़्ते तक कर लेनी चाहिए और सही तरीके से उपचारित किए हुए बीज और बुआई के तरीके अपनाने चाहिए।
फील्ड पी	देर से बुआई करने पर, बुआई का काम महीने के पहले पखवाड़े तक पूरा कर लेना चाहिए। देर से बुआई में लाइन से लाइन की दूरी 15-20 सेमि रखनी चाहिए, जबकि बुआई के समय, 10 किलोग्राम बीज पर 200 ग्राम राइज़ोबियम और पीएसबी से बीज का उपचार करना चाहिए। आखिरी महीने में बोई गई फसल में, खेती का काम उसी हिसाब से किया जा सकता है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	फूलगोभी में हल्की सिंचाई करनी चाहिए। गोभी की फसलों में पट्टी पे धब्बें वाली बीमारी को नियंत्रण करने के लिए, मैन्कोज़ेब 75 डब्लूपी 2-3 बार डालना चाहिए। बीमारी को नियंत्रण करने के लिए गर्म पानी से बीज का उपचार करना चाहिए।
टमाटर	टमाटर की ऊपरी पत्तियों के सिकुड़ने या चितकबरे होने पर, ख़राब पौधों को हटाकर नष्ट कर देना चाहिए। फसल में बीमारी फैलाने वाले कीड़ों की जांच करनी चाहिए और उसी हिसाब से उनका नियंत्रण करना चाहिए।
मूली	यूरोपियन किस्म को 6-8 किलोग्राम प्रति हेक्टर और एशियन किस्म को 10-12 किलोग्राम प्रति हेक्टर की दर से बोया जा सकता है, जबकि लाइन से लाइन की दूरी 20-25 सेमि और पौधे से पौधे की दूरी 8-

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
	10 सेमि होनी चाहिए।
शिमला मिर्च	नर्सरी में बुवाई की जा सकती है और पौधों को 4-8 हफ़्ते बाद ट्रांसप्लांट किया जा सकता है।
गाजर	यूरोपियन किस्म को 5-6 किलोग्राम प्रति हेक्टर की दर से बोया जा सकता है, लाइन से लाइन की दूरी 20-40 सेमि और पौधे से पौधे की दूरी 5-7 सेमि होनी चाहिए।
चुकंदर	यूरोपियन किस्म को 7-10 किलोग्राम प्रति हेक्टर की दर से बोया जा सकता है, लाइन से लाइन की दूरी 30-45 सेमि और पौधे से पौधे की दूरी 10-15 सेमि होनी चाहिए।
सब्जी पीईए	बुवाई 80-120 किलोग्राम प्रति हेक्टर की दर से की जा सकती है, लाइन से लाइन की दूरी 30-45 सेमि और पौधे से पौधे की दूरी 5-10 सेमि होनी चाहिए। उग रही फसल की निगरानी करनी चाहिए।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	जानवरों को ठंड से बचाने के लिए, सूखी घास, धान का बचा हुआ हिस्सा (पुवाल) वगैरह जो जानवरों के चारे के तौर पर इस्तेमाल नहीं होता, उसे शेड में जानवरों के बिस्तर के तौर पर इस्तेमाल करना चाहिए। दरवाज़े और खिड़की ठीक से ढके होने चाहिए ताकि ठंडी हवा जानवरों के शेड में न आ सके। जानवरों के बैठने की जगह समतल होनी चाहिए। सलाह दी जाती है कि जानवरों को हरा चारा सूखे चारे में मिलाकर दिया जा सकता है, नहीं तो जानवरों को टिम्पेती बीमारी हो सकती है जिससे जानवरों की मौत हो जाती है।
गाय	जानवरों को ठंड से बचाने के लिए, सूखी घास, धान का बचा हुआ हिस्सा (पुवाल) वगैरह जो जानवरों के चारे के तौर पर इस्तेमाल नहीं होता, उसे शेड में जानवरों के बिस्तर के तौर पर इस्तेमाल करना चाहिए। दरवाज़े और खिड़की ठीक से ढके होने चाहिए ताकि ठंडी हवा जानवरों के शेड में न आ सके। जानवरों के बैठने की जगह समतल होनी चाहिए। सलाह दी जाती है कि जानवरों को हरा चारा सूखे चारे में मिलाकर दिया जा सकता है, नहीं तो जानवरों को टिम्पेती बीमारी हो सकती है जिससे जानवरों की मौत हो जाती है।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

कोई खास असर या चेतावनी जारी नहीं की गई।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

कोई ज़रूरी सलाह जारी नहीं की गई।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details